बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार
इंदौर, बुधवार 19 अप्रैल 2017

सहयोग अभियान के तहत 203वीं कार्यशाला, एडीजी कपूर ने बचाव के बताए उपाय

निजी कंपनी के सदस्यों ने सीखे सायबर सुरक्षा के गुर

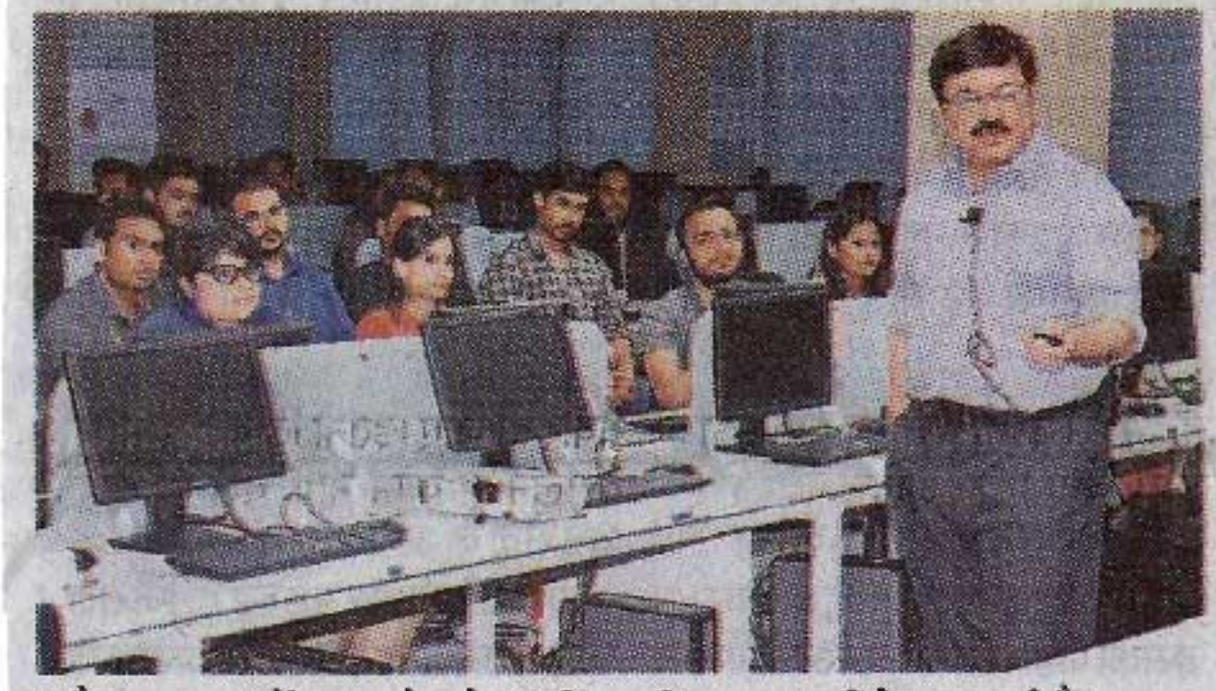

इंदौर। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विकसित होने के साथ ही सायबर क्राइम भी तेजी से बढ़ रहा है। पिछले पांच सालों में ही 1300 प्रतिशत तक सायबर क्राइम के मामले बढ़े हैं। इनसे बचने के लिए सावधानी बेहद जरूरी है।

ये बातें एडीजी नारकोटिक्स वरुण कपूर ने सायबर सुरक्षा कार्यशाला सहयोग की 203वीं कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। वे बिजनेस पार्क स्थित केपिटल वाया कंपनी के कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। इसमें कंपनी के 71 सदस्यों ने भाग लिया। श्री कपूर ने सायबर वर्ल्ड में हो रहे अपराधों की जानकारी देते हुए उनके सुरक्षित उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने कहा बैंकिंग फ्रॉड, एटीएम फ्रॉड व अन्य प्रलोभन देकर जो आधुनिक अपराध घटित हो रहे हैं, उनसे बचने के लिए सदैव अलर्ट रहें। एडीजी ने स्पूफ्ड मेल, डाटा फुटप्रिंट, फिशिंग अटैक, आइडेंटिटी थेफ्ट, डाटा थेफ्ट, सायबर स्टॉकिंग, जियो टेगिंग इत्यादि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। सायबर वर्ल्ड में हो रहे अपराधों से बचने के लिए सबसे बड़ा हथियार सतर्कता है। इंटरनेट का प्रयोग करने में अलर्ट रहेंगे तो कभी भी सायबर क्राइम का शिकार नहीं हो सकते हैं। उन्होंने उपस्थित सदस्यों को इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) एक्ट की विभिन्न धाराओं के संबंध में भी जानकारी दी। इस दौरान सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी कपूर ने देकर समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर कंपनी की ओर से चीफ बिजनेस ऑफिसर प्रेमप्रकाश ने श्री कपूर को प्रशंसा पत्र प्रदान कर कार्यशाला का समापन किया। संचालन एचआर हेड दीपशिखा सेन ने किया। कार्यक्रम में डीएसपी सुभाषसिंह का सहयोग रहा।